

---

# Shri Ramalakshmana Stotram

---

## श्रीरामलक्ष्मणस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Ramalakshmana Stotram

File name : rAmalakShmaNastotram.itx

Category : raama

Location : doc\_raama

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : January 18, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 18, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीरामलक्ष्मणस्तोत्रम्



कमललोचनौ काञ्चनाम्बरौ कवचभूषणौ कार्मुकान्वितौ ।  
कलुषसंहारौ कामितप्रदौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १ ॥

मकरकुण्डलौ मौनिसेवितौ मणिकिरीटिनौ मञ्जुभाषिणौ ।  
मनुकुलोद्भवौ मानुषोत्तमौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ २ ॥

सत्यसङ्गरौ समरभीकरौ सर्वरक्षकौ साहसान्वितौ ।  
सदयमानसौ सर्वपूजितौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ३ ॥

धृतशिखण्डिनौ दीनरक्षणौ धृतहिमाचलौ दिव्यविग्रहौ ।  
दिविजपूजितौ दीर्घदोर्युगौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ४ ॥

पवनजानुगौ पादचारिणौ पटुशिलीमुखौ पावनाङ्घ्रिकौ ।  
परमसात्त्विकौ भक्तवत्सलौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ५ ॥

वनविहारिणौ वल्कलाम्बरौ वनफलाशिनौ वासवार्चितौ ।  
वरगुणाकरौ बालिमर्दनौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ६ ॥

दशरथात्मजौ पशुपतिप्रियौ शशिनिभाननौ विशदमानसौ ।  
दशमुखान्तकौ निशितसायकौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ७ ॥

कमललोचनौ समरपण्डितौ भीमविक्रमौ कामसुन्दरौ ।  
दामभूषणौ हेमनूपुरौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ८ ॥

भरतसेवितौ दुरितमोचकौ करधृताशुगौ सुरवरस्तुतौ ।  
शरधिधारणौ धीरकवचिनौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ९ ॥


धर्मचारिणौ कर्मसाक्षिणौ धर्मकारकौ शर्मदायकौ ।  
नर्मशोभितौ मर्मभेदिनौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १० ॥

नीलदेहिनौ लोलकुन्तलौ कालिभीकरौ तालमर्दनौ ।  
कलुषहारिणौ ललितभाषिणौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ ११ ॥

मातृनन्दनौ पात्रपालकौ भ्रातृसम्मतौ शत्रुसूदनौ ।  
 धातृशेखरौ जेतृनायकौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १२ ॥  
 जलधिवन्धनौ दलितदानवौ कुलविवर्धनौ बलविराजितौ ।  
 शैलजार्चितौ फलविधायकौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १३ ॥  
 राजलक्षणौ विजयकाङ्क्षिणौ गजवरारुहौ पूजितामरौ ।  
 विजितमत्सरौ भजितशूरिणौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १४ ॥  
 शर्वमानितौ सर्वकारिणौ गर्वभञ्जनौ निर्विकारिणौ ।  
 दुर्विभावितौ सर्वभासकौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १५ ॥  
 रविकुलोद्भवौ भवविनाशकौ पवनजाश्रितौ पावकोपमौ ।  
 रविसुतप्रियौ कविभिरीडितौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १६ ॥  
 मणिकिरीटिनौ मानुषोत्तमौ कनककुण्डलौ दिनमणिप्रभौ ।  
 वानरार्चितौ वनविहारिणौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १७ ॥  
 जननवर्जितौ जनकजान्वितौ वनजनानतौ दीनवत्सलौ ।  
 सनकसन्नुतौ शौनकार्चितौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १८ ॥  
 यागरक्षकौ योगचिन्तितौ त्यागमानसौ भोगिशायिनौ ।  
 नागगामिनै निगमगोचरौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ १९ ॥  
 सत्यवादिनौ भृत्यपालकौ मृत्युनाशकौ सत्यरूपिणौ ।  
 प्रत्यगात्मकौ मुक्तिदायकौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ २० ॥  
 मणिमयाङ्गदौ गुणविभूषणौ फणिभुगासनौ पुण्यशालिनौ ।  
 पूर्णविग्रहौ पूर्णबोधकौ रहसि नौमि तौ रामलक्ष्मणौ ॥ २१ ॥  
 रामलक्ष्मणाङ्कितमिदं वरं गीतमव्ययं पठति यः पुमान् ।  
 तेन तोषितौ तस्य सपदं कीर्त्तिमायुषं यच्छतस्सुखम् ॥ २२ ॥  
 इति श्रीरामलक्ष्मणस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by PSA Easwaran

pdf was typeset on February 18, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

